श्रीमती श्यामादेवी
डिग्री कालेज ऑफ साइन्स एण्ड मैनेजमेन्ट

(डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद से सम्बद्ध)

सिसवाँ, रामपुर सकरवारी – अम्बेडकर नगर
(बी0 एड0)

सत्र : 201.....–201.....

छात्राध्यापक / छात्राध्यापिका का नाम....... शिखा उपाध्याय

शैक्षिक योग्यता....... बी॰ एड॰ (द्वितीय वर्ष)

महाविद्यालय अनुक्रमांक....... 10

विश्व विद्यालय अनुक्रमांक....... 21574847

शिक्षण विषय....... भूगोल – भूगोल

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

INDEX

पाठ रूल संख्या	विषय	पाठ का प्रकरण	पृष्ठ संख्या
1	भूगोल	जलमण्डल	1–6
2	भूगोल	सौरपरिवार	7–11
3	भूगोल	पृथ्वी की आन्तरिक संरचना	12–16
4	भूगोल	वर्षा	17–21
5	भूगोल	नदियाँ	22–25
6	भूगोल	मृदा प्रदूषण	26–30
7	भूगोल	पर्वत	31–34
8	भूगोल	मौसम और जलवायु	35–39
9	भूगोल	वायुमण्डल	40–44
10	भूगोल	पर्यावरण	45–49
11	भूगोल	ज्वालामुखी	50–57
12	भूगोल	जीवमण्डल	58–63
13	भूगोल	जनसंख्या	64–69
14	भूगोल	खनिज संसाधन	70–76
15	भूगोल	प्रदूषण	76–81

हस्ताक्षर पर्यवेक्षक..............................

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

पाठ्योजना - 1

विद्यालय का नाम — उच्च प्राथमिक विद्यालय बेवाना अकबरपुर अम्बेडकरनगर

छात्राध्यापिका का नाम :— शिखा उपाध्याय

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	कालांश	अवधि
24/02/21	6	सा॰ विज्ञान	भूगोल	प्रथम	40 मिनट

प्रकरण :— जलमण्डल

सामान्य उद्देश्य :— 1- छात्रों को भौगोलिक ज्ञान कराना।

2- छात्रों में प्रकृति के प्रति प्रेम उत्पन्न कराना तथा प्राकृतिक संसाधनों के सदुपयोग का ज्ञान कराना।

3- छात्रों को मानसिक शक्तियों का ज्ञान कराना।

4- छात्रों को जीविकोपार्जन के योग्य बनाना।

5- भौगोलिक परिस्थितियों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का ज्ञान कराना।

6- छात्रों में स्वदेश प्रेम तथा विश्व-बन्धुत्व की भावना का विकास करना।

7 छात्रों में अन्तर्राष्ट्रीय अवबोध एवं सहयोग की भावना का विकास करना।

8- छात्रों को भावी विश्व नागरिकता का प्रशिक्षण देना।

विशिष्ट उद्देश्य :— 1- छात्रों में अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तन।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

2- छात्र जलमण्डल के बारे में जान सकेंगी।
3- छात्र जल चक्र के बारे में प्रत्यास्मरण कर सकेंगी।
4- छात्र जल – चक्र की जानकारी प्राप्त कर इस
5- सम्बन्ध में व्याख्या कर सकेंगी।
5- छात्र जलमण्डल को वर्गीकृत कर सकेंगी।
6- छात्र जलमण्डल को चिह्नित कर अपनी अभ्यास पुस्तिका पर चित्रांकित कर सकेंगी।

सहायक सामग्री :— जलमण्डल दर्शाता हुआ चार्ट, श्यामपट्ट, आरेश दर्शाता लपेट श्यामपट्ट।

छात्रों का पूर्व ज्ञान :— छात्र जलमण्डल के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना :—

क्र०सं०	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्र०1	सौरमण्डल में कितने ग्रह हैं?	उ०- सौरमण्डल में आठ ग्रह हैं।
प्र०2	जल किस ग्रह पर पाया जाता है?	उ०- जल पृथ्वी ग्रह पर पाया जाता है।
प्र०3	पृथ्वी पर जल कहाँ-कहाँ दिखता है?	उ०- पृथ्वी पर जल महासागरों, झीलों, नदियों, तालाबों आदि।
प्र०4	इन सभी को किस नाम से जाना जाता है।	उ०- इन सभी को जलमण्डल के नाम से जाना जाता है।

उद्देश्यकथन : — बच्चों! आज हम जलमण्डल के बारे में अध्ययन करेंगे।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

कक्षा - 6 प्रकरण - जलमण्डल

दिनांक - 24/02/21

मुख्य बिन्दु — • पृथ्वी का लगभग 71% भाग जल से घिरा हुआ है।

• इसके अन्तर्गत सागर, नदियाँ, झीलें, तालाब इत्यादि हैं।

• पृथ्वी पर जल किसी न किसी रूप में विद्यमान है।

• मानव, पेड़-पौधों जीव-जन्तुओं की मानव जीवन के विकास में जल का महत्वपूर्ण स्थान है।

गृह कार्य :— जल मण्डल किसे कहते हैं। जल चक्र प्रक्रिया को समझाइए।

SM… DEVI
Degree … ent

26/08/2021.

प्रस्तुतीकरण :—

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
	विकासात्मक प्रश्न —			
	प्रश्न 1- जल हम कहा कहा से प्राप्त करते हैं?	उ०- जल हम नदियों, झीलों, तालाबों, कुओं आदि से	प्रश्नोत्तर विधि	
	प्रश्न-2 पृथ्वी को और किस नाम से जानते हैं?	उ०- समस्यात्मक		
जल-मण्डल-	**छात्राध्यापिका कथन** - पृथ्वी का लगभग 72% भाग जल से घिरा है, इसीलिए इसे जलमण्डल की संज्ञा दी गयी है। इसके अन्तर्गत सागर, नदियाँ, झीलें, तालाब इत्यादि हैं। जल की अधिकता के कारण पृथ्वी को जल ग्रह या नीला ग्रह भी कहते हैं। सम्पूर्ण पृथ्वी पर जल किसी न किसी रूप में विद्यमान जैसे- पर्वत पर हिम के रूप में, भूमि पर भूमिगत व अधोलिखित जल के रूप में तथा विद्यमान रहता है। पेड़-पौधों, जीव जन्तुओं और मानव जीवन के विकास में जल का महत्वपूर्ण स्थान है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे	व्याख्या विधि	मुख्य बिन्दु • पृथ्वी का लगभग 72% भाग जल से घिरा हुआ है। • इसके अन्तर्गत सागर, नदियाँ, झीलें, तालाब इत्यादि हैं। • पृथ्वी पर जल किसी न किसी रूप में विद्यमान है।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र/छात्राएं क्रियाएं	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
	बोधात्मक प्रश्न :—			
	प्र०1- पृथ्वी पर लगभग कितने % जल है?	उ०- लगभग 71% जल है।	प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र०2- पृथ्वी को और किस नाम से जानते है?	उ०- जलग्रह या नीलाग्रह		
	प्र०3- पृथ्वी पर जल किस-किस रूप में विद्यमान है?	उ०- जल, हिम, भूमिगत		
	प्र०4- किसके विकास में जल का महत्वपूर्ण स्थान है?	उ०- पेड़-पौधों, जीव-जन्तुओं और मानव जीवन के विकास में जल का महत्वपूर्ण स्थान है।		
	विकासात्मक प्रश्न :—			
	प्र०1 जल वाष्प किस मण्डल में पाये जाते है?	उ०- जलवाष्प वायुमण्डल में पाये जाते हैं।		
	प्र०2- परिसंचरण क्या है?	उ०- समस्यात्मक		
2-जल चक्र-	**छात्राध्यापिका कथन :—** जलमण्डल में जल का परिसंचरण होता है, जिसे जलचक्र कहते है यह निरन्तर रूप से चलता रहता है। सागरों महासागरों व नदियों से जल भाप बनकर वायुमण्डल में	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे	व्याख्या विधि	जलचक्र • जलमण्डल में जल का परिसंचरण होता है, जिसे जलचक्र कहते है।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र छात्राएँ क्रिया	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
	चला जाता है, जहाँ से जलवाष्प तापमान के अनुसार 'संघनन' की क्रिया आरम्भ करते हैं, जिनके फलस्वरूप मेघों का निर्माण होता है। ये मेघ वर्षा के रूप में पृथ्वी पर उपस्थिति नदी एवं सागर में जल बनकर मिल जाते हैं। इस तरह से पृथ्वी पर जलचक्र का कार्य चलता रहता है।		व्याख्या विधि	सागरों, महा॰ व नदियों से जल भाप बनकर वायुमण्डल में चला जाता है। जल वायुमण्डल में पहुँचकर मेघों के रूप में धरती पर आता है।

बोधात्मक प्रश्न :—

प्र०1 जलचक्र प्रक्रिया किस मण्डल में होती है?	उ० - जलचक्र प्रक्रिया जलमण्डल में होती है।
प्र०2 जलचक्र कब चलता है?	उ० - जलचक्र निरन्तर रूप से चलता रहता है।
प्र०3 जल भाप बनकर कहाँ चला जाता है?	उ० - जल भाप बनकर वायुमण्डल में चला जाता है।
प्र०4 वर्षण किस प्रक्रिया द्वारा होता है?	उ० - वर्षण संघनन प्रक्रिया द्वारा होता है।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

श्यामपट्ट सारांश :— सभी छात्र श्यामपट्ट पर लिखे गये बोध प्रश्नों के उत्तरों को अपनी अभ्यास पुस्तिका पर उतार लें।

निरीक्षण कार्य :— छात्राध्यापिका घूम-घूमकर पूरी कक्षा का निरीक्षण करेगी।

मूल्यांकन प्रश्न :— 1- जलमण्डल के अन्तर्गत क्या आता है?

प्र०2 पृथ्वी को जलमग्न या नीलग्रह क्यों कहते हैं?

प्र०3- जलचक्र किसे कहते हैं?

प्र०4 जलमण्डल से जल किस रूप में वायुमण्डल में चला जाता है?

प्र०5 मेघों का निर्माण कैसे होता है?

गृहकार्य :—

1- जल चक्र का चित्र बनाइए।
2- जलचक्र प्रक्रिया को समझाइए।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

पाठ्योजना - ६

विद्यालय का नाम - उच्च प्राथमिक विद्यालय बेवाना अकबरपुर अम्बेडकर नगर

छात्राध्यापिका का नाम - शिखा उपाध्याय

दिनाँक	कक्षा	विषय	उपविषय	कालांश	अवधि
01/03/21	6	सा० विज्ञान	भूगोल	प्रथम	40 मिनट

प्रकरण :- सौरपरिवार

सामान्य उद्देश्य :-

1- छात्रों को भौगोलिक ज्ञान कराना।
2- छात्रों में प्रकृति के प्रति प्रेम उत्पन्न कराना तथा प्राकृतिक संसाधनों के सदुपयोग का ज्ञान कराना।
3- छात्रों की मानसिक शक्तियों का ज्ञान बनाना।
4- छात्रों को जीविकोपार्जन के योग्य बनाना।
5- भौगोलिक परिस्थितियों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का ज्ञान कराना।
6- छात्रों में स्वदेश प्रेम तथा विश्व-बन्धुत्व की भावना का विकास कराना।

विशिष्ट उद्देश्य :- (i) छात्र सौरमण्डल के बारे में जान सकेंगे।
(ii) छात्र ग्रहों के बारे में जान सकेंगे।
(iii) छात्र सूर्य के बारे में जान सकेंगे तथा इस सम्बन्ध में व्याख्या कर सकेंगे।
(iv) छात्र ग्रहों को वर्गीकृत कर सकेंगे।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

सहायक सामग्री :— सौरमण्डल को दर्शाता हुआ चार्ट, श्यामपट्ट सारांश को दर्शाता हुआ लपेट श्यामपट्ट।

छात्रों का पूर्वज्ञान :— छात्र सौरमण्डल के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना :—

क्रमसं०	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र / छात्राएँ क्रिया
1-	ऊर्जा का सबसे बड़ा स्त्रोत कौन-सा है?	उ०- ऊर्जा का सबसे बड़ा स्त्रोत सूर्य है।
2-	सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाने वाले पिण्ड को क्या कहते हैं?	उ०- सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाने वाले पिण्ड को ग्रह कहते हैं।
3-	सूर्य के चारों ओर कितने ग्रह चक्कर लगाते हैं?	उ०- सूर्य के चारों ओर 8 ग्रह चक्कर लगाते हैं।
4-	सूर्य एवं इसके ग्रहों के परिवार को क्या कहते हैं?	उ०- समस्यात्मक

उद्देश्य कथन :— बच्चों! आज हम 'सौरपरिवार' का अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :—

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र / छात्राएँ क्रिया	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
	विकासात्मक प्रश्न :—			
	प्र०-1 सौरमण्डल में किस ग्रह पर जीवन है?	उ०- सौरमण्डल में पृथ्वी ग्रह पर जीवन है।	प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र०2- सौरमण्डल में पृथ्वी की स्थिति क्या है?	उ०- समस्यात्मक		

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. 2

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
1-सौर परिवार-	हमारे सौरमण्डल में 10 ग्रह है जिनमें सूर्य के सबसे नजदीक बुध ग्रह है। यह ग्रह सौरमण्डल का सबसे छोटा ग्रह है। इसके बाद शुक्र ग्रह है इसे भोर का तारा कहते है। इसके बाद पृथ्वी और इसके बाद मंगल ग्रह है। इसके बाद बृहस्पति ग्रह है पश्चात अरूण, वरूण और यम है नई खोजो के अनुसार दसवाँ ग्रह करोला है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे	व्याख्या विधि	सौरमण्डल के ग्रह - बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल, बृहस्पति, शनि, अरूण, वरूण, यम, करोला।
बोधात्मक प्रश्न :—			प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र०-1 सौरमण्डल में कितने ग्रह है?	उ०- 10 ग्रह		
	प्र०-2- भोर का तारा किस ग्रह को कहते है?	उ०- शुक्र ग्रह		
	प्र०3- सूर्य के सबसे नजदीक कौन-सा ग्रह है?	उ०- बुध ग्रह		
	प्र०4- नई खोजो के अनुसार दसवाँ ग्रह कौन-सा है?	उ० - दसवाँ ग्रह करोला है।		
विकासात्मक प्रश्न —			प्रश्नोत्तर विधि	
	1- शुक्र के बाद कौन-सा ग्रह है।			

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

दिनांक – कक्षा – 6 / 01/03/21   प्रकरण – सौर परिवार

सौरमण्डल के ग्रह :– बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल, बृहस्पति, शनि, अरुण, वरुण, यम → काल्पनिक।

मुख्य बिन्दु – सौर परिवार के विभिन्न ग्रहों की उत्पत्ति सूर्य से हुई है।

• समुद्र में गुरुत्वाकर्षण शक्ति के कारण ज्वार भाटा आते हैं।

• बहुत समय पूर्व सूर्य का एक बड़ा अंश टूटकर अलग हो गया और यह अंश सूर्य के चारो ओर चक्कर लगाने लगा। धीरे धीरे यह आलना ठण्डा होता गया।

गृहकार्य :— कराये गये सभी प्रश्नों के उत्तर याद करके आयें।

SM DEVI Deg ment

Date ....

Expt. No. ....   Page No. 10

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र / छात्राएँ क्रिया	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
	प्र० - ग्रहों की उत्पत्ति कैसे हुई है ?	उ० - समस्यात्मक		
१- सौर परिवार का निर्माण :-	सौर परिवार के विभिन्न ग्रहों की उत्पत्ति सूर्य से हुई है। करोड़ों वर्ष पहले सूर्य के नजदीक से उस से भी लाखों गुना बड़ा पिण्ड गुजरा जिससे सूर्य और उस बड़े तारे में गुरुत्वाकर्षण शक्ति के कारण ज्वार आया और अन्त में सूर्य का एक अंश टूटकर अलग हो गया और यह अंश सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाने लगा धीरे-धीरे यह मलबा ठण्डा होता गया और संपीड़ित होकर छोटे-छोटे ग्रह खण्डों के रूप में बदल गया यही खण्ड आगे चलकर विभिन्न ग्रह बने।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	व्याख्यान विधि	मुख्य बिन्दु सौर परिवार के विभिन्न ग्रहों की उत्पत्ति सूर्य से हुई है। समुद्र में गुरुत्वाकर्षण शक्ति के कारण ज्वार आता है। बहुत समय पूर्व सूर्य का एक बड़ा अंश टूटकर अलग हो गया और यह अंश सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाने लगा। धीरे-धीरे यह मलबा ठण्डा होता गया और संपीड़ित
	बोधात्मक प्रश्न :-			
	प्रश्न - १ सौर परिवार के विभिन्न ग्रहों की उत्पत्ति किससे हुई है ?	उ० - सौर परिवार के विभिन्न ग्रहों की उत्पत्ति सूर्य से हुई है।	प्रश्नोत्तर विधि	

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

प्र०2 सूर्य के अंशों से किसका निर्माण हुआ?	उ०- सूर्य के अंशों से विभिन्न ग्रहों का निर्माण हुआ	प्रश्नोत्तर	टूटकर छोटे-छोटे ग्रह खण्डों के रूप में
प्र०3 करोड़ों वर्ष पहले सूर्य के नजदीक से क्या गुजरा?	उ०- करोड़ों वर्ष पहले सूर्य के नजदीक से लाखों गुना बड़ा पिण्ड गुजरा	विधि	बदल गया
प्र०4 खण्डों ने आगे जाकर किसका रूप लिया?	उ०- खण्डों ने आगे जाकर ग्रहों का रूप लिया।		यह खण्ड आगे जाकर विभिन्न ग्रह बने।

श्यामपट्ट सारांश :— सभी छात्र श्यामपट्ट पर लिखे गये सभी प्रश्नों के उत्तरों को अपनी अभ्यास पुस्तिका पर उतार लें।

निरीक्षण कार्य :— छात्राध्यापिका घूम-घूमकर पूरी कक्षा का निरीक्षण करेगी।

मूल्यांकन प्रश्न :— सौर परिवार के सदस्यों के नाम लिखिए।
सौर परिवार किसे कहते हैं?
सौर परिवार के निर्माण की प्रक्रिया बताओ।
सौर परिवार के सबसे छोटे ग्रह का नाम बताओ।
सौर परिवार के सबसे बड़े ग्रह का नाम बताओ।

गृहकार्य :—

सौर परिवार का चित्र बनाओ।
कराये गये सभी प्रश्नों के उत्तर याद करके आयें।

SMT SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

पाठ्योजना-3

विद्यालय का नाम :- उच्च प्राथमिक विद्यालय बेवाना अकबरपुर अम्बेडकर नगर

छात्राध्यापिका का नाम - शिखा उपाध्याय

दिनाँक	कक्षा	विषय	उपविषय	कालांश	अवधि
03/03/21	6	सा० विज्ञान	भूगोल	द्वितीय	40 मिनट

प्रकरण :- पृथ्वी की आन्तरिक संरचना

सामान्य उद्देश्य :-

1- छात्रों को भौगोलिक ज्ञान कराना।
2- छात्रों में प्रकृति के प्रति प्रेम उत्पन्न कराना तथा
3- प्राकृतिक संसाधनों के सदुपयोग का ज्ञान कराना
4- छात्रों की मानसिक शक्ति का ज्ञान कराना।
छात्रों को जीविकोपार्जन के योग्य बनाना।
5- भौगोलिक परिस्थितियों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का विकास करना।
6- छात्रों को भावी विश्व नागरिकता का प्रशिक्षण देना।

विशिष्ट उद्देश्य :-

1- छात्रों को पृथ्वी के बारे में ज्ञान सकेंगें।
2- छात्र पृथ्वी की आन्तरिक संरचना के बारे में प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।
3- छात्र पृथ्वी की आन्तरिक भागों की जानकारी प्राप्त कर इस सम्बन्ध में व्याख्या कर सकेंगे।
4- छात्र पृथ्वी की आन्तरिक संरचना को वर्गीकृत कर सकेंगे।

छात्रों का पूर्वज्ञान :- छात्र पृथ्वी के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. 13

प्रस्तावना :—

क्रम संख्या	छात्राध्यापक क्रियाएं	छात्र / छात्राएँ क्रियाएं
1-	हम किस ग्रह पर रहते हैं?	उ०- हम पृथ्वी ग्रह पर रहते हैं।
2-	पृथ्वी का आकार कैसा है?	उ०- पृथ्वी का आकार गोल है।
3-	पृथ्वी की ऊपरी सतह कैसी है?	उ०- पृथ्वी की ऊपरी सतह कठोर है।
4-	पृथ्वी की ऊपरी सतह किस किस से बनी है?	उ०- पृथ्वी की ऊपरी सतह मिट्टी धूल कण तथा चट्टानों से बनी है।
5-	पृथ्वी अन्दर से कैसी है?	उ०- समस्यात्मक।

सहायक सामग्री :— पृथ्वी की आन्तरिक संरचना से सम्बन्धित चार्ट, श्यामपट्ट सारांश को दर्शाता लपेट श्यामपट्ट।

उद्देश्य कथन :— आइए हम जानेंगे पृथ्वी की आन्तरिक संरचना के बारे में

प्रस्तुतीकरण :—

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
	विकासात्मक प्रश्न -			
	प्र०-1 पृथ्वी की ऊपरी बनावट कैसी है?	उ० पृथ्वी की ऊपरी बनावट गोल है	प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र०-2 पृथ्वी की आन्तरिक संरचना कैसी है?	उ० समस्यात्मक		
	छात्राध्यापिका कथन :-			

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

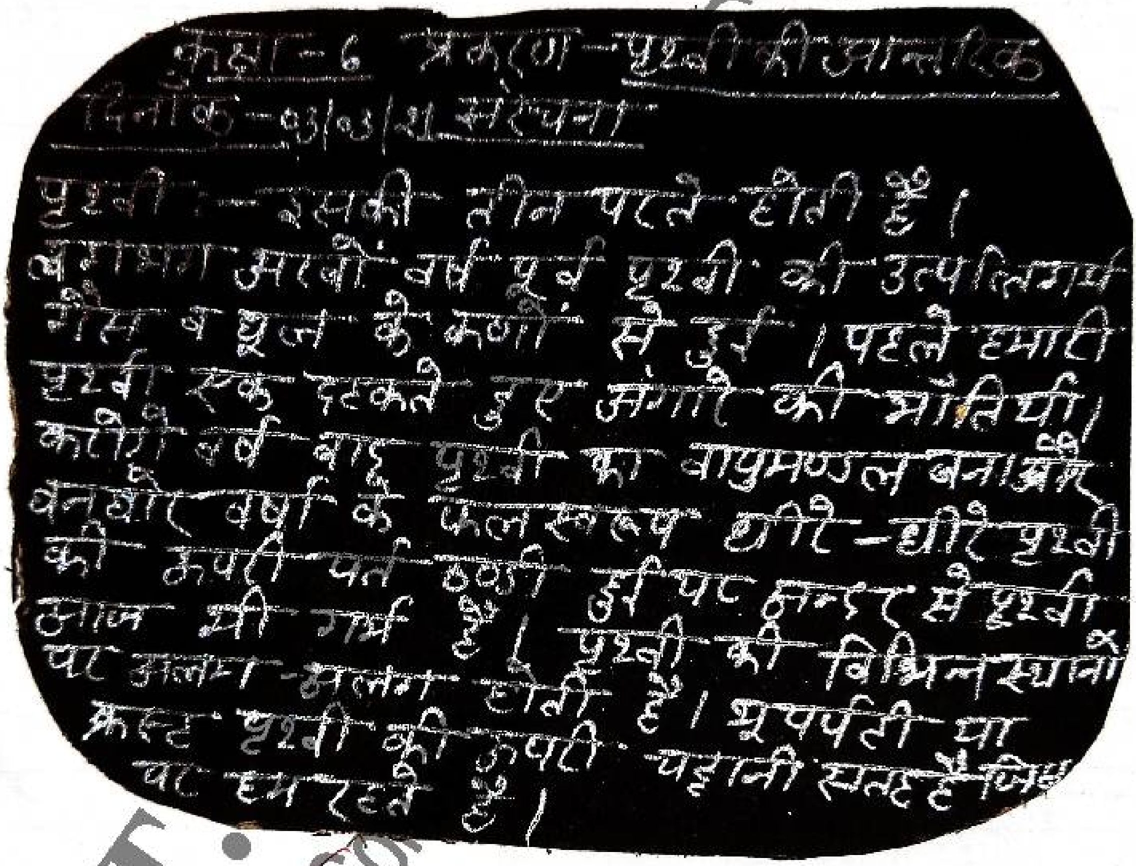
कक्षा-6 प्रकरण-पृथ्वी की आन्तरिक
दिनांक-०३/०३/२१ संरचना
पृथ्वी :- इसकी तीन परतें होती हैं।
लगभग अरबों वर्ष पूर्व पृथ्वी की उत्पत्ति गर्म
गैस व धूल के कणों से हुई। पहले हमारी
पृथ्वी एक दहकते हुए अंगारे की भाँति थी।
करोड़ों वर्ष बाद पृथ्वी का वायुमण्डल बना और
वनस्पति वर्षा के फलस्वरूप धीरे-धीरे पृथ्वी
की ऊपरी परत ठण्डी हुई पर अन्दर से पृथ्वी
आज भी गर्म है। पृथ्वी की विभिन्न स्थानों
पर अलग-अलग होती है। भूपर्पटी या
क्रस्ट पृथ्वी की ऊपरी चट्टानी सतह है जिस
पर हम रहते हैं।

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र/छात्राएं क्रिया	शिक्षण बिन्दु	श्यामपट्ट कार्य
पृथ्वी	**छात्राध्यापिका कथन -** लगभग अरबों वर्ष पूर्व पृथ्वी की उत्पत्ति गर्म गैस व धूल के कणों से हुई। हमारी पृथ्वी एक दहकते हुए अंगारे की भाँति थी। करोड़ों वर्ष बाद पृथ्वी का वायुमण्डल बना और बनघोर वर्षा के फलस्वरूप धीरे-धीरे पृथ्वी की ऊपरी पर्त ठण्डी हुई परन्तु अन्दर से पृथ्वी आज भी गर्म है। एक पतली गैस पर्त पृथ्वी को बाहर से घेरे हुए है इस पर्त पृथ्वी को बाहर से घेरे हुए है इस पर्त को भूपर्पटी कहते हैं।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	व्याख्या विधि	पृथ्वी - लगभग अरबों वर्ष पूर्व पृथ्वी की उत्पत्ति गर्म गैस व धूल के कणों से हुई। पहले हमारी पृथ्वी एक दहकते हुए अंगारे की भाँति थी करोड़ों वर्ष बाद पृथ्वी का वायुमण्डल बना और बनघोर वर्षा के फलस्वरूप धीरे-धीरे पृथ्वी की पर्त ठण्डी हुई।
	बोधात्मक प्रश्न:-			
	प्र०-1 पृथ्वी की उत्पत्ति किससे हुई है?	उ०- पृथ्वी की उत्पत्ति गर्म गैस व धूल कण से हुई है	प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र०-2 पृथ्वी पर वायुमण्डल बनने के फलस्वरूप क्या हुआ?	उ०- घनघोर वर्षा और पृथ्वी की ऊपरी पर्त ठण्डी हो गई		
	प्र०-3 पृथ्वी अन्दर से कैसी है?	उ०- पृथ्वी के अन्दर गर्म है।		
	प्र०-4 पृथ्वी की ऊपरी सतह कौनसी है?	उ०- पृथ्वी की ऊपरी सतह भूपर्पटी है।		

SMT SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

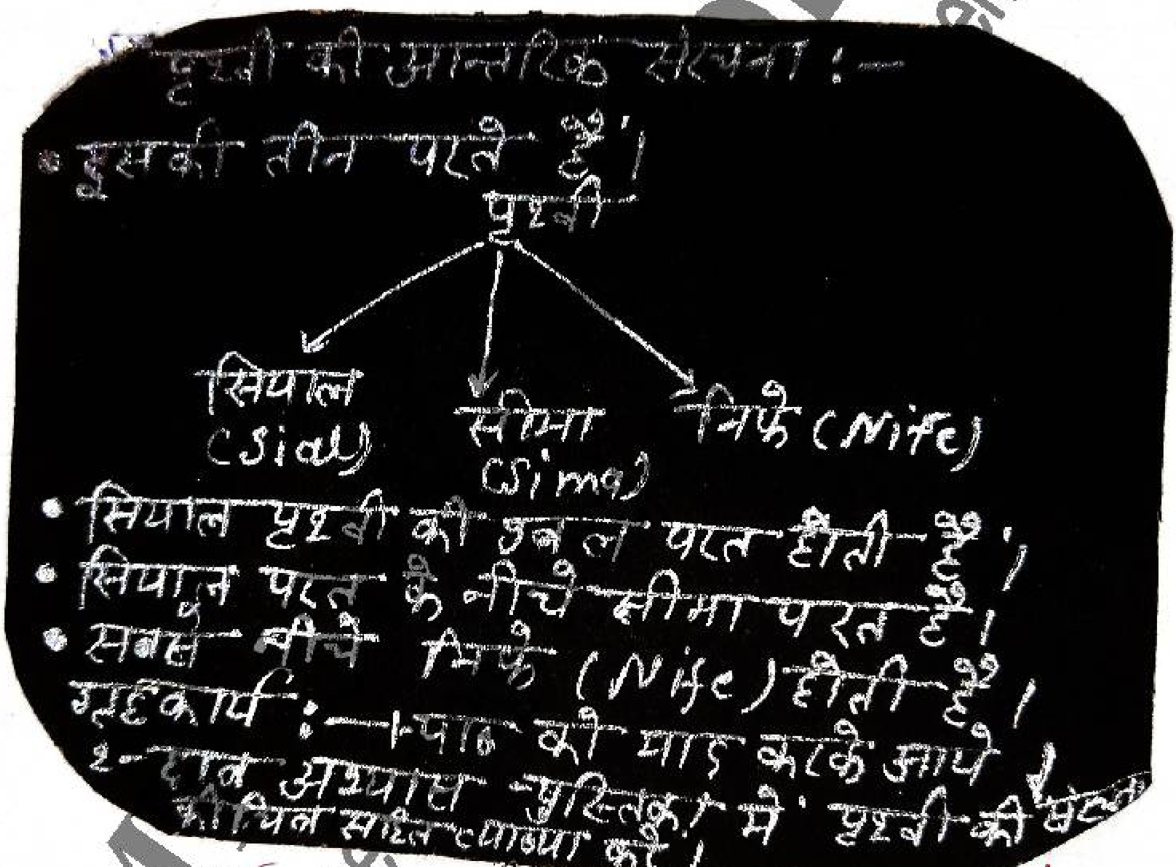

SM... DEVI
Degree ... ent

26/08/2021

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र/छात्राएं क्रिया	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य -
	विकासात्मक प्रश्न:- प्र०1- पृथ्वी का धरातल कैसा है? प्र०2 पृथ्वी की आन्तरिक परतों के बारे में बताइए।	उ०- पृथ्वी का धरातल ऊंचा-नीचा है असमर्थता	प्रश्नोत्तर विधि	
1- पृथ्वी की आन्तरिक संरचना-	**छात्राध्यापिका कथन:-** पृथ्वी की भू-पर्पटी के नीचे अधः स्तर में तीन परतों की स्थिति मानी जाती है - 1- सियाल -(Si al)- Si का अर्थ होता है सिलिका तथा Al का अर्थ होता है (Al) एल्युमिनियम यह परत सिलिका तथा Al का मिश्रण होती है। इसीलिए इसे सियाल कहा जाता है इसे मेंटल कहते हैं। 2- सीमा (Sima) - सियाल परत के नीचे सीमा परत है इसमें सिलिका (Si) तथा मैग्नीशियम (Mg) की प्रधानता पायी जाती है। इसे सीमा कहते हैं इसे निचला मैंटल कहा जाता है। 3- निफे -(Nife)- यह परत पृथ्वी के सबसे नीचे केन्द्र में पायी जाती है यह परत मुख्यतः निकिल (Ni) तथा लोहा (Fe) जैसी भारी धातुओं से बनी है उच्च तापमान और भारी दबाव के कारण यह परत गाढ़े व तरल अवस्था में पायी जाती है।		व्याख्यान विधि	पृथ्वी की आन्तरिक संरचना में इसकी तीन परतें हैं 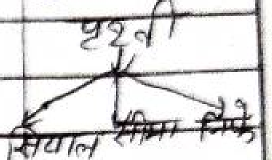 • सियाल पृथ्वी की ऊपरी परत होती है। • सियाल परत के नीचे सीमा परत है। • सबसे नीचे निफे (Nife) होती है।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Expt. No. .... Date ....

बोधात्मक प्रश्न -

प्र०-1 भू-पर्पटी के नीचे अध: स्तर में कितनी परतें हैं?	उ० - भू-पर्पटी के नीचे अध- स्तर में तीन परतें हैं।	प्रश्नोत्तर विधि	
प्र०-2 भू-पर्पटी के नीचे की परतों के नाम बताओ।	उ०- भू-पर्पटी में सिपाल, सीमा तथा निफे परतें हैं		
प्र०3-सिपाल में कौन-से धातु पाये जाते हैं?	उ० -सिपाल में सिलिका व एल्युमिनियम जाते हैं		
प्र०-4 सीमा परत में (Mg) कौन-सी धातु है?	उ० - सीमा परत में Mg मैग्नीशियम धातु है।		

श्यामपट्ट सारांश -
सभी छात्र श्यामपट्ट पर लिखे गये बोध प्रश्नों के उत्तरों को अपनी अभ्यास पुस्तिका में उतार लें।

निरीक्षण कार्य :-
छात्राध्यापिका घूम-घूमकर पूरी कक्षा का निरीक्षण करेगी।

मूल्यांकन प्रश्न :-
1- भू पर्पटी किसे कहते हैं?
2- सिपाल किसे कहते हैं?
3- सीमा के बारे में बताइए।
4- निफे को स्पष्ट कीजिए।
5- निफे को और किस नाम से जानते हैं?

गृहकार्य :-
1- पाठ को याद करके आयें।
2- छात्र अभ्यास पुस्तिका में पृथ्वी की आन्तरिक संरचना को चित्र सहित व्याख्या करें।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Expt. No. .... Date ....

पाठ्योजना - 4

विद्यालय का नाम :— उच्च प्राथमिक विद्यालय बेनाना अकबरपुर अम्बेडकर नगर

शालाध्यापिका का नाम :— शिखा उपाध्याय

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	कालांश	अवधि
05/03/21	6	सा० विज्ञान	भूगोल	द्वितीय	40 मिनट

प्रकरण :- वर्षा

सामान्य उद्देश्य :—
1- छात्रों को भौगोलिक ज्ञान कराना।
2- छात्रों में प्रकृति के प्रति प्रेम उत्पन्न कराना तथा प्राकृतिक संसाधनों के सदुपयोग का ज्ञान कराना।
3- छात्रों की मानसिक शक्तियों का ज्ञान कराना।
4- छात्रों को जीविकोपार्जन के योग्य बनाना।
5- भौगोलिक परिस्थितियों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का ज्ञान कराना।
6- छात्रों में स्वदेश प्रेम तथा विश्वबन्धुत्व की भावना का विकास करना।

विशिष्ट उद्देश्य :—
1- छात्र वर्षा के बारे में अध्ययन कर सकेंगे।
2- छात्र वर्षा के बारे में प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।
3- छात्र वर्षा के बारे में जानकारी प्राप्त कर इस सन्दर्भ में व्याख्या कर सकेंगे।
4- छात्र वर्षा के प्रकारों का वर्गीकरण कर सकेंगे।
5- छात्र वर्षा को चिह्नित कर अपनी अभ्यास-पुस्तिका पर चित्रांकन कर सकेंगे।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. 18

सहायक सामग्री :— वर्षा को दर्शाता हुआ चार्ट, श्यामपट्ट सारांश दर्शाता लपेट श्यामपट्ट।

छात्रों का पूर्वज्ञान :— छात्र वर्षा के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना :—

क्रमसं०	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र/छात्रा क्रियाएँ
1-	किस देश के निवासी हैं?	उ०- भारत देश
2-	भारत की अधिकांश जनसंख्या कहाँ निवास करती है?	उ०- गाँवों में निवास करती है
3-	गाँव के लोगों का मुख्य व्यवसाय क्या है?	उ०- कृषि है।
4-	कृषि कार्य करने के लिए किन-किन चीजों की आवश्यकता होती है?	उ०- जल, भूमि, खाद इत्यादि।
5-	वर्षा किसे कहते हैं?	उ०- समस्यात्मक

उद्देश्य कथन :— बच्चों आज हम वर्षा के बारे में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :—

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र/छात्रा क्रियाएँ	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
	विकासात्मक प्रश्न :—			
	प्र०- ग्रीष्म ऋतु के बाद कौन-सी ऋतु आती है?	उ०- वर्षा ऋतु आती है।	प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र०- वर्षा की प्रक्रिया के बारे में आप क्या जानते हैं?	उ०- समस्यात्मक		

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

कक्षा — 6 प्रकरण — वर्षा

दिनाँक — 05/03/21

वर्षा — वर्षा वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा वायुमण्डल में संघनित जलवाष्प जल की बूँदे तथा हिमकणों के रूप में धरातल पर गिरती है।

वर्षा के प्रकार :— वर्षा तीन प्रकार के होते हैं।

1 - संवाहनीय वर्षा

2 - पर्वत कृत वर्षा

3 - चक्रवातीय वर्षा

गृहकार्य :— वर्षा की प्रक्रिया के बारे में विस्तृत रूप में लिखिए।

2 - सभी प्रश्नों के उत्तर याद करके आये।

SMVI
Degree

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र/छात्राएं क्रियाएं	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
1. वर्षा की प्रक्रिया	**छात्राध्यापिका कथन –** वर्षा वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा वायुमण्डल में संघनित जलवाष्प जल की बूंदों तथा हिमकणों के रूप में धरातल पर गिरती है। बादल के लाखों कण मिलकर वर्षा की एक बूंद बनाते हैं। बूंद बनने पर इसका भार इतना अधिक हो जाता है कि यह वायुमण्डल में रह नहीं पाती वरन् धरातल पर गिर जाती है। वायुमण्डल से जल के रूप बूंदों का व्यास 6 मिमी कभी होता है और जब वर्षा की तीव्रता कम हो जाती है तो उसे फुहार कहते हैं।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	व्याख्या विधि	वर्षा:— वर्षा वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा वायुमण्डल जल की बूंदें तथा हिमकणों के रूप में धरातल पर गिरती है। बादल के लाखों कण मिलकर वर्षा की एक बूंद बनाते हैं तथा यही बूंद मिलकर वर्षा का रूप लेकर पृथ्वी पर आती है।
	बोधात्मक प्रश्न – प्र०-1 बादल के लाखों कण मिलकर क्या बनाते हैं? प्र०-2 वर्षा किसे कहते हैं? प्र०-3 वर्षा की एक बूंद का व्यास कितना होता है? प्र०-4 फुहार की एक बूंद का व्यास कितना होता है?	उ०- वर्षा की एक बूंद बनाते हैं। उ०- वायुमण्डल से जल के कण बूंदों के रूप में पृथ्वी पर पहुंचते हैं उसे वर्षा कहते हैं। उ०- व्यास 6 मिमी उ०- 0.5 मिमी है।	प्रश्नोत्तर विधि	

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र/छात्राएं क्रिया	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
	विकासात्मक प्रश्न -			
	प्र०-1 वर्षा किसे कहते हैं?	उ०- वायुमण्डल से पृथ्वीतल पर जल के कण बूंदों के रूप में गिरते हैं।	प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र०-2. वर्षा कितने प्रकार की होती है?	उ०- समस्यात्मक		
वर्षा के प्रकार -	**छात्राध्यापिका कथन -** गर्म वायु के ऊपर उठने तथा ऊपर उठकर ठण्डा होने पर बूंदों के रूपों में परिवर्तन होने की प्रक्रिया के दौरान जो वर्षा होती है उसे संवाहनीय वर्षा कहते हैं। यह वर्षा अधिकतर भूमध्य रेखीय प्रदेशों में होती है। पर्वत के मार्ग में आने पर वायु के तेजी से ऊपर उठने व ठण्डा होने से वर्षा होने की क्रिया को पर्वतकृत वर्षा कहते हैं। यह वर्षा पर्वत की ढाल की ओर अधिक होती है परन्तु ऊपर की ओर अधिक होती है परन्तु ऊपर की ओर कम होती है। गर्म वायु ठण्डी होकर वर्षा किया शुरू कर देती है जिसे चक्रवातीय वर्षा कहते हैं। यह वर्षा बहुत धीरे-धीरे होती है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	व्याख्यान विधि	वर्षा के प्रकार 1- संवाहनीय वर्षा 2- पर्वतकृत वर्षा 3- चक्रवातीय वर्षा

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र / छात्रा प्रक्रिया	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
	बोधात्मक प्रश्न -			
	प्र० 1- संवहनीय वर्षा किसे कहते हैं ?	उ० - गर्म वायु के ऊपर उठने तथा ठण्डा होने पर वर्षा को संवहनीय वर्षा कहते हैं	प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र०-2 पर्वतों पर किस प्रदेश में वर्षा कम होती है ?	पर्वतीय प्रदेश कहते हैं		
	प्र०-3 चक्रवतीय वर्षा किसे कहते हैं ?	उ०- गर्म वायु ठण्डी होकर वर्षा करती है उसे चक्रवातीय वर्षा कहते हैं।		
	प्र० - वर्षा कितने प्रकार की होती है ?	वर्षा तीन प्रकार की होती है।		

श्यामपट्ट सारांश :— सभी छात्र श्यामपट्ट पर लिखे गये बोध प्रश्नों के उत्तरों को अपनी अभ्यास पुस्तिका में उतार लें।

निरीक्षण कार्य :— छात्राध्यापिका घूम - घूमकर पूरी कक्षा में निरीक्षण करेगी।

मूल्यांकन प्रश्न :—

1- वर्षा किसे कहते हैं ?
2- वर्षा की एक बूंद का व्यास कितना होता है ?
3- वर्षा कितने प्रकार की होती है ?
4- चक्रवातीय वर्षा किसे कहते हैं ?
5- भारत में चक्रवतीय वर्षा किस ऋतु में होती है ?

गृहकार्य :— 1- वर्षा की प्रक्रिया के बारे में विस्तृत रूप में लिखिए।
2- सभी प्रश्नों के उत्तर याद करके आये।

SMT SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....

पाठयोजना - 5

विद्यालय का नाम :- उच्च प्राथमिक विद्यालय बेवाना अकबरपुर अम्बेडकरनगर

छात्राध्यापिका का नाम :- शिखा उपाध्याय

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	कालांश	अवधि
08/03/2021	7	सा०विज्ञान	भूगोल	द्वितीय	40 मिनट

प्रकरण - नदियाँ

सामान्य उद्देश्य :- 1- छात्रों को भौगोलिक ज्ञान कराना।

2- छात्रों में प्रकृति के प्रति प्रेम उत्पन्न करना तथा प्राकृतिक संसाधनों के सदुपयोग का ज्ञान कराना।

3- छात्रों की मानसिक शक्तियों का ज्ञान कराना।

4- छात्रों को जीविकोपार्जन के योग्य बनाना।

5- भौगोलिक परिस्थितियों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का ज्ञान कराना।

6- छात्रों में स्वदेश प्रेम तथा मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का ज्ञान कराना।

विशिष्ट उद्देश्य :-

1- छात्र नदियों के बारे में जान सकेंगे।

2- छात्र नदियों के प्रकारों के बारे में जान सकेंगे।

3- छात्र नदियों की स्थलाकृतियों के बारे में व्याख्या कर सकेंगे।

4- छात्र नदियों को घाटियों में वर्गीकृत कर सकेंगे।

5- छात्र नदियों की स्थलाकृतियों को चिह्नित कर अपनी अभ्यास-पुस्तिका पर चित्रांकित कर सकेंगे।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHIV AMA DEVI Degree College of Science & Management

Expt. No. .... Date ....

सहायक सामग्री :— नदियों की विभिन्न स्थलाकृतियों से सम्बन्धित चार्ट, श्यामपट्ट सारांश लिये श्यामपट्ट

छात्रों का पूर्वज्ञान :— छात्र नदियों के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना :—

क्र.सं.	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र / छात्राएं क्रिया
1-	किस ग्रह पर जीवन है?	उ०- पृथ्वी ग्रह पर जीवन है।
2-	पृथ्वी पर सबसे अधिक मात्रा में क्या पाया जाता है?	उ०- पृथ्वी पर सबसे अधिक मात्रा में जल है।
3-	जल हमें कहाँ-कहाँ प्राप्त होता है?	उ०- जल हमें नदियों, नहरों तालाबों, नालों आदि से।
4-	कुछ नदियों के नाम बताइए	उ०- गंगा, यमुना, सरस्वती, गोदावरी इत्यादि नदियाँ हैं।
5-	नदियों के बारे में आप और क्या जानते हैं?	उ०- समस्यात्मक।

उद्देश्य कथन :— बच्चों! आज हम नदियों के बारे में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :—

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र / छात्राएं क्रिया	शिक्षणविधि	श्यामपट्ट कार्य
	विकासात्मक प्रश्न -			
	प्र०-1 नदियों से हमें क्या क्या प्राप्त होता है?	उ०- नदियों से हमें जल, मछलियाँ आदि	प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र०-2 नदियाँ कितने प्रकार की होती हैं?	उ०- समस्यात्मक		

Teacher's Signature : ....

दिनांक - २४/०३/२१ कक्षा - ७ प्रकरण - नदियाँ

नदियाँ :- नदियाँ दो प्रकार की होती हैं।

1- सतत वाहिनी नदियाँ

2- असतत वाहिनी नदियाँ

नदियों घाटियों को तीन भागों में बांटा जा सकता है -

1- ऊपरी घाटी (युवावस्था)

2- मध्य घाटी (प्रौढ़ावस्था)

3- निचली घाटी (ब्रह्मावस्था)

गृहकार्य :- हाल पढ़ाया गया पाठ याद करके आयेंगे।

26/08/2021.

SM… Degree…

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	शिक्षण बिन्दु	श्यामपट्ट कार्य
1- नदियाँ –	नदियों में प्रवाहित जल की मात्रा ऋतुओं के अनुसार घटती – बढ़ती रहती है। नदियों में जल की मात्रा उसके अपवाह क्षेत्र में होने वाली वर्षा, बर्फ के पिघलने की दर तथा उसमें प्रवाहित जल की मात्रा से प्रभावित होती है। जल की मात्रा के आधार पर नदियाँ दो प्रकार की होती हैं – 1 – सततवाहिनी नदियाँ 2 – असततवाहिनी नदियाँ – नदी घाटी तीन भागों में बाँटा गया है – 1 – ऊपरी घाटी – युवावस्था 2 – मध्यघाटी – प्रौढ़ावस्था 3 – निचली घाटी – वृद्धावस्था	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे।	व्याख्या विधि	नदियाँ दो प्रकार की होती हैं। 1- सततवाहिनी नदियाँ 2- असततवाहिनी नदियाँ नदी घाटियों को तीन भागों में बाँटा जा सकता है 1- ऊपरी घाटी (युवावस्था) 2- मध्यघाटी (प्रौढ़ावस्था) 3- निचली घाटी (वृद्धावस्था)
	बोधात्मक प्रश्न –			
	1 – नदियों में जल प्रवाहित किस आधार पर घटती – बढ़ती है?	उ०- मौसम के आधार पर	प्रश्नोत्तर विधि	
	2- नदियों को किस आधार पर बाँटा है?	जल की मात्रा के आधार पर		
	3 – नदियाँ कितने प्रकार की होती हैं?	उ०- दो प्रकार की होती हैं।		

SMT SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र / छात्राऐं क्रिया	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
	4- सततवाहिनी नदियाँ किन्हें कहते हैं?	उ०- ये नदियाँ हिम से ढके पर्वत से निकलती हैं जिससे इन नदियों में वर्ष भर जल की मात्रा पायी जाती है इसी कारण ये सतत - वाहिनी कहलाती है।	प्रश्नोत्तर विधि	

श्यामपट्ट सारांश :- सभी छात्र श्यामपट्ट पर लिखे गये बोध प्रश्नों के उत्तरों को अपनी अभ्यास पुस्तिका में उतार ले।

निरीक्षण कार्य :- छात्राध्यापिका घूम - घूमकर पूरी कक्षा में निरीक्षण करेंगी।

मूल्यांकन प्रश्न :- 1- असततवाहिनी नदियाँ किन्हें कहते हैं?

2- नदी घाटियों को कितने भागों में बाँटा जाता है।

3- नदी घाटियों के नाम बताइए।

गृहकार्य :- 1- छात्र पढ़ाया गया पाठ याद करके आयेंगे।

2- छात्र 'V' आकार की घाटी का चित्र सहित वर्णन अभ्यास - पुस्तिका में लिखकर लायेंगे।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Expt. No. .... Date ....

पाठयोजना - 6

विद्यालय का नाम:- उच्च प्राथमिक विद्यालय बेवाना अकबर पुर अम्बेडकर नगर

छात्राध्यापिका का नाम:- शिक्षा उपाध्याय

दिनाँक	कक्षा	विषय	उपविषय	कालांश	अवधि
10/03/2021	7	सा०विज्ञान	भूगोल	प्रथम	40 मिनट

प्रकरण:- मृदा प्रदूषण

सामान्य उद्देश्य :-

1- छात्रों को भौगोलिक ज्ञान कराना।
2- छात्रों में प्रकृति के प्रति प्रेम उत्पन्न कराना तथा प्राकृतिक संसाधनों के सदुपयोग का ज्ञान कराना।
3- छात्रों की मानसिक शक्तियों का ज्ञान कराना।
4- छात्रों को जीविकोपार्जन के योग्य बनाना।
5- भौगोलिक परिस्थितियों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव को स्पष्ट कराना।
6- छात्रों में स्वदेश प्रेम तथा विश्व-बन्धुत्व की भावना का विकास करना।

विशिष्ट उद्देश्य:-

(1) छात्र मृदा के बारे में जान सकेंगे।
2- छात्र मृदा के प्रदूषण के बारे में प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।
3- छात्र मृदा प्रदूषण के बारे में जानकारी प्राप्त कर इस सम्बन्ध में व्याख्या कर सकेंगे।
4- छात्र मृदा प्रदूषण के कारणों को वर्गीकृत कर सकेंगे।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

सहायक सामग्री :— मृदा प्रदूषण से सम्बन्धित चार्ट, श्यामपट्ट सारांश दर्शाता लपेट श्यामपट्ट।

छात्रों का पूर्वज्ञान :— छात्र मृदा के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना :—

क्रम सं.	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र / छात्राएँ क्रिया
	प्र०-1 हम किस देश में रहते हैं?	उ०- भारत देश में
	प्र०-2 भारत की अधिकांश जनसंख्या कहाँ निवास करती है?	उ०- गाँवों में निवास करती है।
	प्र०-3 गाँव के लोगों का मुख्य व्यवसाय क्या है?	उ०- गाँव के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि है।
	प्र०-4 कृषि के लिए कैसी मृदा होनी चाहिए?	उ०- समस्यात्मक

उद्देश्य कथन :— बच्चों! आज हम मृदा प्रदूषण के बारे में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :—

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र / छात्राएँ क्रिया	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
	विकासात्मक प्रश्न —			
	प्र०- मृदा प्रदूषित होने पर क्या होता है?	उ०- मृदा प्रदूषित होने पर मिट्टी अनुपजाऊ हो जाती है	प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र०-2 मृदा प्रदूषण के कारण बताइए।	उ०- समस्यात्मक		

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

कक्षा-7 प्रकरण - मृदा प्रदूषण

दिनांक - 10/03/21

मृदा प्रदूषण के कारण :- दूषित जल और हवा के सम्मिलित प्रभाव से मृदा का प्रदूषण होता है।

- जब वायु में सल्फर डाई-ऑक्साइड (SO_2) जल के साथ मिलकर सल्फ्यूरिक अम्ल (H_2SO_4) में बदल जाती है जिससे मिट्टी प्रदूषित होती है।

गृहकार्य :— 1- छात्र कराया गया कार्य याद करके आयेंगे।

2- छात्र मृदा प्रदूषण की निम्नलिखित कारणों को लिखिए।

26/08/2021.

SM... DEVI
Dep... ement

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र/छात्राएं क्रिया	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
1- मृदा प्रदूषण-	**छात्राध्यापिका कथन:-** मृदा का प्रदूषित होना ही मृदा प्रदूषण है। मृदा प्रदूषण के कारण हैं— 1- दूषित जल और हवा के सम्मिलित प्रभाव से मृदा का प्रदूषण होता है। 2- जब वायु में सल्फर डाईऑक्साइड (SO_2) वर्षा के साथ मिलकर सल्फ्यूरिक अम्ल (H_2SO_4) में बदल जाती है जिससे मिट्टी प्रदूषित होती है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे	व्याख्या विधि	मृदा प्रदूषण के कारण- → दूषित जल और हवा के सम्मिलित प्रभाव से मृदा का प्रदूषण होता है। → जब वायु में सल्फर डाई-ऑक्साइड (SO_2) वर्षा के साथ मिलकर सल्फ्यूरिक अम्ल (H_2SO_4) में बदल जाती है जिससे मिट्टी प्रदूषित होती है।
	बोधात्मक प्रश्न :—			
	प्र०1 मृदा प्रदूषण क्या है?	उ०- मृदा को प्रदूषित करना ही मृदा प्रदूषण कहलाता है।	प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र०2 दूषित जल और हवा के प्रभाव से क्या होता है?	उ०- मृदा प्रदूषण होता है।		
	प्र०3 बाढ़ के समय क्या होता है?	उ०- बाढ़ के समय नदी तेज अपने साथ कंकड़-पत्थर बालू व बजरी को आसपास के खेतों में		

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

मुख्य बिन्दु :— नदियों के वेग को कम करने के लिए बाँध का निर्माण करना चाहिए।

- खेतों की मेड़बन्दी अवश्य करनी चाहिए।
- वृक्षा रोपण के द्वारा।
- पॉलिथीन आदि के प्रयोग को रोकना चाहिए।

Expt. No. .... Date ....

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र / छात्राएँ क्रियाएँ	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
	विकासात्मक प्रश्न :—			
	प्र०-1 मृदा प्रदूषित न होने पर क्या होगा?	उ०-मिट्टी उपजाऊ होगी।	प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र०-2 मृदा प्रदूषण को कैसे रोका जा सकता है?	उ०- समस्यात्मक		
2-मृदा प्रदूषण को नियन्त्रित करने के उपाय-	मृदा प्रदूषण को नियन्त्रित करने के लिए निम्न उपाय करने चाहिए। 1- नदियों के वेग को कम करने के लिए बाँध का निर्माण करना चाहिए। 2- खेतों की मेड़बन्दी अवश्य करनी चाहिए। 3- भूमि पर ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण करना। 4- पॉलिथीन के प्रयोग पर रोक लगाने से भी मृदा प्रदूषण कम होता है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	व्याख्या विधि	मुख्य बिन्दु नदियों के वेग को कम करने के लिए बाँध का निर्माण करना चाहिए। वृक्षारोपण के द्वारा पॉलिथीन आदि के प्रयोग को रोकना चाहिए।
	बोधात्मक प्रश्न :—			
	प्र०-1 नदियों के वेग को कम करने के लिए क्या करना चाहिए?	उ०-नदियों के वेग को कम करने के लिए बाँध बनाने चाहिए।	प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र०-2 ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण क्यों करना चाहिए।	उ०-मृदा के कटाव को बचाने के लिए।		
	प्र०-3 फसलों पर किसके प्रयोग पर रोक लगानी चाहिए।	उ० फसलों पर कीटनाशकों व D.D.T. के		

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Expt. No. ....   Date ....

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र/छात्राएं क्रिया	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
	विकासात्मक प्रश्न :—			
	प्र०-1 मृदा प्रदूषित न होने पर क्या होगा?	उ०-मिट्टी उपजाऊ होगी।	प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र०-2 मृदा प्रदूषण को कैसे रोका जा सकता है?	उ०- समस्यात्मक		
2-मृदा प्रदूषण को नियन्त्रित करने के उपाय-	मृदा प्रदूषण को नियन्त्रित करने के लिए निम्न उपाय करने चाहिए। 1- नदियों के वेग को कम करने के लिए बाँध का निर्माण करना चाहिए। 2- खेतों की मेड़बन्दी अवश्य करनी चाहिए। 3- भूमि पर ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण करना। 4- पॉलिथीन के प्रयोग पर रोक लगाने से भी मृदा प्रदूषण कम होता है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	व्याख्या विधि	मुख्य बिन्दु नदियों के वेग को कम करने के लिए बाँध का निर्माण करना चाहिए। वृक्षारोपण के द्वारा पॉलिथीन आदि के प्रयोग को रोकना चाहिए।
	बोधात्मक प्रश्न :—			
	प्र०-1 नदियों के वेग को कम करने के लिए क्या करना चाहिए।	उ०-नदियों के वेग को कम करने के लिए बाँध बनाने चाहिए।	प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र०-2 ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण क्यों करना चाहिए।	उ०-मृदा के कटाव को बचाने के लिए।		
	प्र०-3 फसलों पर किसके प्रयोग पर रोक लगानी चाहिए।	उ०फसलों पर कीटनाशकों व D.D.T के		

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र/छात्राएं क्रिया	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
		प्रयोग पर रोक लगानी चाहिए		
	प्र०- कैसे उर्वरकों का प्रयोग करना चाहिए?	उ०- कम्पोस्ट एवं जैव उर्वरकों का प्रयोग करना चाहिए।	प्रश्नोत्तर विधि	

श्यामपट्ट सारांश:— सभी छात्र श्यामपट्ट पर लिखे गये बोध प्रश्नों के उत्तरों को अपनी अभ्यास पुस्तिका में उतार लें।

निरीक्षण कार्य:— छात्राध्यापिका घूम-घूमकर पूरी कक्षा में निरीक्षण करेगी।

मूल्यांकन प्रश्न:— 1- अम्लीय वर्षा क्या होती है?

2- मरुस्थलीय क्षेत्रों में भूमि कृषि के लिए कैसे बेकार हो जाती है?

3- अत्यधिक जनसंख्या के कारण कैसे मृदा प्रदूषित होती है?

गृहकार्य:— 1- छात्र कराया गया कार्य याद करके आयेंगे।

2- छात्र मृदा प्रदूषण को नियन्त्रित करने के उपाय अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखकर लायेंगे।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Expt. No. .... Date ....

Page No. 31

पाठयोजना - 7

विद्यालय का नाम :— उच्च प्राथमिक विद्यालय बेवना अकबरपुर अम्बेडकर नगर

छात्राध्यापिका का नाम :— शिखा उपाध्याय

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	कालांश	अवधि
13/03/21	7	सा०विज्ञान	भूगोल	प्रथम	36 मिनट

प्रकरण — पर्वत

सामान्य उद्देश्य :— 1- छात्रों को भौगोलिक ज्ञान कराना
2- छात्रों में प्रकृति के प्रति प्रेम
3- उत्पन्न कराना तथा प्राकृतिक संसाधनों के सदुपयोग का ज्ञान कराना।
4- छात्रों की मानसिक शक्तियों का ज्ञान कराना। छात्रों को जीविकोपार्जन के योग्य बनाना।
5- भौगोलिक परिस्थितियों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का ज्ञान कराना।
6- छात्रों में स्वदेश प्रेम तथा विश्व-बन्धुत्व की भावना का विकास करना।

विशिष्ट उद्देश्य :—
1- छात्र पर्वत के बारे में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2- छात्र पर्वत के प्रकार के बारे में प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।
3- छात्र पर्वत की जानकारी प्राप्त कर व्याख्या कर सकेंगे।
4- छात्र पर्वत का वर्गीकरण कर सकेंगे।
5- छात्र पर्वतों को चार्ट के द्वारा प्रदर्शित करने का कौशल विकसित कर सकेंगे।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....

सहायक सामग्री :— पर्वत व पर्वतों के प्रकारों से

छात्रों का पूर्वज्ञान :— छात्र पर्वतों के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना :—

क्रमसं०	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र - छात्राएँ क्रियाएँ
1-	पृथ्वी के धरातल में मुख्यतः कौन-कौन सी भू-आकृतियाँ पायी जाती हैं?	उ०- पृथ्वी के धरातल में मुख्यतः पर्वत, पठार और मैदान भू आकृतियाँ पायी जाती हैं।
2-	अवसादों का समतल जमाव मुख्यतः कहाँ पाया जाता है?	उ०- अवसादों का जमाव मैदानों में पाया जाता है।
3-	भूतल के ऊँचे उठे हुए भागों को क्या कहते हैं?	उ०- भूतल के ऊँचे उठे भागों को पर्वत कहते हैं।
4-	पर्वत के मुख्य प्रकार कौन-कौन से हैं?	उ०- समस्यात्मक

उद्देश्यकथन :— बच्चों! आज हम 'पर्वतों' के विभिन्न प्रकारों के बारे अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :—

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र/छात्राएँ	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
	विकासात्मक प्रश्न -			
	1- पृथ्वी के धरातल पर परिवर्तन करने वाली शक्तियाँ कौन कौन सी हैं?	उ०- पृथ्वी आन्तरिक एवं बाह्य है।	प्रश्नोत्तर विधि	
	2- पृथ्वी की आन्तरिक शक्तियाँ धरातल के स्वरूप में परिवर्तन करके निर्माण करती हैं।	उ०- समस्यात्मक		

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका कार्य	छात्र /छात्रा क्रिया	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
1-पर्वत	पर्वत, वह भू-भाग है जो चारों तरफ की भूमि से बहुत ऊँचा होता है। इसमें एक-दूसरे से लगे ऊँचे-नीचे भाग व शिखर वाले क्षेत्र होते है। पर्वत अपनी ऊँचाई के कारण अपने आस-पड़ोस की अपेक्षा अत्यन्त स्पष्ट दिखते है किन्तु उनके शीर्ष तल का विस्तार अधिक नहीं होता है। पहाड़ तथा पहाड़ियों के क्रम को पर्वत श्रेणियां कहते है। किसी पहाड़ की चोटी जो आस पास के प्रदेश से अधिक ऊँची होती है उसे शिखर कहते है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे	व्याख्या विधि	पर्वत- पर्वत वह भू-भाग है जो चारों तरफ की भूमि से बहुत ऊँचा होता है। इसमें एक-दूसरे से लगे ऊँचे-नीचे भाग व शिखर वाले क्षेत्र होते है।

बोधात्मक प्रश्न –

	प्र०-1 पर्वत किसे कहते है ?	उ०-पर्वत वह भू भाग है जो चारों तरफ की भूमि बहुत ऊँचा होता है।		
	प्र०-2 पर्वत श्रेणियाँ क्या है ?	उ०-पहाड़ तथा पहाड़ियों के क्रम को पर्वत श्रेणियां कहते है।		
	प्र०-3 शिखर किसे कहते है ?	उ०-किसी पहाड़ अथवा पहाड़ी की चोटी जो आस पास		

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Expt. No. .... Date ....

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र/छात्रा क्रिया	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
		के प्रदेश से अधिक ऊँची होती है, उसे शिखर कहते हैं।	प्रश्नोत्तर विधि	

श्यामपट्ट सारांश :— सभी छात्र श्यामपट्ट पर लिखे गये बोध प्रश्नों के उत्तरों को अपनी अभ्यास पुस्तिका में उतार लें।

निरीक्षण कार्य :— छात्राध्यापिका घूम-घूमकर पूरी कक्षा में निरीक्षण करेगी।

मूल्यांकन प्रश्न :— 1- पर्वत किसे कहते हैं?

2- पर्वत के शीर्ष का तल कैसा होता है?

3- चट्टानों में आन्तरिक शक्तियों के कारण क्या होता है?

4- वलित पर्वतों के उदाहरण लिखिए।

गृहकार्य :— कराये गए सभी प्रश्नों के उत्तर याद करके आयें।

Teacher's Signature : ....

SMT SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. 35

पाठयोजना - 8

विद्यालय का नाम — उच्च प्राथमिक विद्यालय बेवाना अकबर पुर अम्बेडकर

छात्राध्यापिका का नाम — शिखा उपाध्याय

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	कालांश	अवधि
16/03/21	7	सा० विज्ञान	भूगोल	द्वितीय	36 मिनट

प्रकरण :— मौसम और जलवायु

सामान्य उद्देश्य :—

1- छात्रों को भौगोलिक ज्ञान कराना।

2- छात्रों में प्रकृति के प्रति प्रेम उत्पन्न कराना तथा प्राकृतिक संसाधनों के सदुपयोग का ज्ञान कराना।

3- छात्रों की मानसिक शक्तियों का ज्ञान कराना।

4- छात्रों को जीविकोपार्जन के योग्य बनाना।

5- भौगोलिक परिस्थितियों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का ज्ञान कराना।

6- छात्रों में स्वदेश प्रेम तथा विश्व बन्धुत्व की भावना का विकास करना।

विशिष्ट उद्देश्य :—

1- छात्र जलवायु तथा मौसम के बारे में जान सकेंगे।

2- छात्र मौसम तथा जलवायु के प्रकारों के बारे में जान सकेंगे।

3- छात्र मौसम तथा जलवायु के भागों के बारे में जान सकेंगे तथा इस सम्बन्ध में व्याख्या कर सकेंगे।

4- छात्र मौसम तथा जलवायु को वर्गीकृत कर सकेंगे।

5- छात्रों को मौसम तथा जलवायु को चिह्नित कर अपनी अभ्यास-पुस्तिका पर चित्रांकित कर सकेंगे।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Expt. No. .... Date ....

सहायक सामग्री :— मौसम तथा जलवायु से सम्बन्धित चार्ट

छात्रों का पूर्वज्ञान :— छात्र को मौसम के बारे में सामान्यकारी है।

प्रस्तावना :—

क्रमसं०	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र / छात्राएं क्रिया		
1-	हम गर्म कपड़े कब पहनते हैं?	उ०- हम सर्दियों में गर्म कपड़े पहनते हैं।		
2-	वर्षा कब होती है?	उ०- वर्षा गर्मियों में होती है।		
3-	हमें पसीना कौन-से दिनों में आता है?	उ०- हमें पसीना गर्मियों के दिनों में आता है।		
4-	वर्षा, सर्दी, गर्मी को हम क्या कहते हैं?	उ०- वर्षा, सर्दी, गर्मी को हम मौसम और जलवायु कहते हैं।		
5-	मौसम और जलवायु में क्या सम्बन्ध है?	उ० समस्यात्मक		

उद्देश्य कथन :— बच्चों! आज हम मौसम और जलवायु का अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :—

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र / छात्राएं क्रिया	शिक्षण विधि	श्याम पट्टकार्य
	विकासात्मक प्रश्न -			
	प्र०- गर्मियों में मौसम कैसा होता है?	उ०- दिन में बहुत गर्मी शाम को ठण्डी हवा		
	प्र० 2. मौसम किसे कहते हैं?	उ० समस्यात्मक		
1- मौसम -	**छात्राध्यापिका कथन -** क्षण प्रतिक्षण धूप, वर्षा, हवा आदि की स्थितियों में परिवर्तन होता रहता है	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे		

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

कक्षा – 7 प्रकरण – मौसम और जलवायु

दिनांक – 16/7/21 मौसम :–

मुख्य बिन्दु – ताप, आर्द्रता, धूप, वर्षा, हवा आदि की स्थितियों में परिवर्तन होता रहता है। यही दैनिक परिवर्तन मौसम कहलाता है।

- पल-पल, घण्टे-घण्टे मौसम बदलता रहता है।
- एक दिन में कितनी भी बार मौसम बदल सकता है।

जलवायु :– जलवायु एक बड़े क्षेत्र या प्रदेश के मौसम से सम्बन्धित आँकड़ों का कुल योग होता है।

गृहकार्य :– 1– पाठ के सभी प्रश्नों के उत्तर याद करके आयें।

26/08/2021

SMT ... DEVI
Degree ... ent

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र / छात्राएं क्रिया	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
	यही दैनिक परिवर्तन मौसम कहलाता है। पल-पल घण्टे-घुण्टे, दिन-सप्ताह में मौसम बदलता रहता है। दिन-सप्ताह में मौसम बदलता रहता है। किसी स्थान के किसी एक निश्चित समय की वायुमण्डलीय दशा को मौसम कहते हैं। मौसम वायुमण्डल की क्षणिक अवस्था का बोध कराता है। किसी स्थान पर वर्ष में भिन्न समय में भिन्न प्रकार का मौसम होगा। यह मौसम थोड़े बहुत परिवर्तन के साथ आता रहता है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे	व्याख्या विधि	मुख्य बिन्दु क्षण-प्रतिक्षण धूप, वर्षा, हवा आदि की स्थितियों में परिवर्तन होता रहता है। यही दैनिक परिवर्तन मौसम कहलाता है।
	बोधात्मक प्रश्न –			
	1- मौसम किस प्रकार बदलता है?	उ०- पल-पल, घण्टे-घण्टे, सप्ताह में	प्रश्नोत्तर विधि	
	2- मौसम किसे कहते हैं?	एक निश्चित समय की वायुमण्डलीय		
	3- मौसम वायुमण्डल की किस दशा का बोध कराता है?	मौसम वायुमण्डल की क्षणिक अवस्था का बोध कराता है।		
	4- किन-किन स्थितियों में परिवर्तन होता रहता है?	उ०- क्षण-प्रतिक्षण धूप वर्षा और हवा आदि।		

GMT SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र / छात्राएं क्रिया	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
	यही दैनिक परिवर्तन मौसम कहलाता है। पल-पल घण्टे-घण्टे, दिन-सप्ताह में मौसम बदलता रहता है। दिन-सप्ताह में मौसम बदलता रहता है। किसी स्थान के लिए एक निश्चित समय की वायुमण्डलीय दशा को मौसम कहते हैं। मौसम वायुमण्डल की क्षणिक अवस्था का बोध कराता है। किसी स्थान पर वर्ष में भिन्न समय में भिन्न प्रकार का मौसम होगा। यह मौसम थोड़े बहुत परिवर्तन के साथ आता रहता है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे	व्याख्या विधि	मुख्य बिन्दु क्षण-प्रतिक्षण धूप, वर्षा, हवा आदि की स्थितियों में परिवर्तन होता रहता है। यही दैनिक परिवर्तन मौसम कहलाता है।
	बोधात्मक प्रश्न –			
	1- मौसम किस प्रकार बदलता है?	उ०- पल-पल, घण्टे-घण्टे, सप्ताह में	प्रश्नोत्तर विधि	
	2- मौसम किसे कहते हैं?	एक निश्चित समय की वायुमण्डलीय		
	3- मौसम वायुमण्डल की किस दशा का बोध कराता है?	मौसम वायुमण्डल की क्षणिक अवस्था का बोध कराता है।		
	4- किन-किन स्थितियों में परिवर्तन होता रहता है?	उ०- क्षण-प्रतिक्षण धूप वर्षा और हवा आदि।		

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र/छात्राएं क्रिया	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
	विकासात्मक प्रश्न –			
	प्र०-1 हमारे प्रदेश में सर्दी किन महीनों में होती है?	उ०- दिसम्बर, जनवरी महीनों	प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र०-2 जलवायु किसे कहते हैं?	उ०- समस्यात्मक		
2-जलवायु –	**छात्राध्यापिका कथन:-** जलवायु एक बड़े क्षेत्र या प्रदेश के मौसम से सम्बन्धित आँकड़ो का कुल योग होता है। कई वर्षों तक जब हम किसी स्थान पर प्रतिवर्ष के भिन्न-भिन्न अवधि में वहाँ के मौसम के बारे में कुछ औसत रूप का निश्चित अनुमान लगाते हैं अथवा निष्कर्ष निकालते हैं तो हम उस औसत दशा को वहाँ की जलवायु कहते हैं।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे	व्याख्या विधि	जलवायु एक बड़े क्षेत्र या प्रदेश के मौसम से सम्बन्धित आँकड़ो का कुल योग होता है। • जलवायु लम्बे समय बाद बदलती है।
	बोधात्मक प्रश्न:-			
	प्र०- जलवायु किसका योग है?	उ०- जलवायु एक बड़े क्षेत्र या प्रदेश के मौसम से सम्बन्धित		

SMT. SHIVA MA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expl. No. ....

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र छात्राएं क्रिया	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
	2- जलवायु से क्या तात्पर्य है?	उ०- लम्बी अवधि के दौरान मौसम सम्बन्धी दशाओं के साधारण कल या सम्मिश्रण को जलवायु कहा जाता है।	प्रश्नोत्तर विधि	
	3- हमारा जीवन किससे प्रभावित होता है?	उ०- हमारा जीवन मौसम और जलवायु से प्रभावित होता है।		
	4- मौसम सम्बन्धी सूचनाएँ हमें कहाँ कहाँ से प्राप्त होती हैं?	उ०- समाचार पत्र एवं टेलीविजन प्रतिदिन मौसम सम्बन्धी सूचनाओं का प्रसारण करते हैं।		

निरीक्षण कार्य:— छात्राध्यापिका कक्षा में घूम-घूम कर निरीक्षण करेंगी।

मूल्यांकन प्रश्न:— 1- मौसम क्या होता है?
2- जलवायु किसे कहते हैं?
3- मौसम और जलवायु में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
4- जलवायु तथा मौसम हमारे जीवन को कैसे प्रभावित करते हैं।
5- जलवायु का निर्धारण कैसे किया जाता है?

गृहकार्य:— 1- पाठ के सभी प्रश्नों के उत्तर याद करके आये।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Expt. No. ....
Date ....

पाठयोजना-1

विद्यालय का नाम — उच्च प्राथमिक विद्यालय बेवाना अकबरपुर अम्बेडकर नगर

छात्राध्यापिका का नाम :— शिखा उपाध्याय

दिनाँक	कक्षा	विषय	उपविषय	कालांश	अवधि
18/03/2021	8	सा० विज्ञान	भूगोल	प्रथम	40 मिनट

प्रकरण :— वायुमण्डल

सामान्य उद्देश्य

1- छात्रों को भौगोलिक ज्ञान कराना।
2- छात्रों में प्रकृति के प्रति प्रेम उत्पन्न कराना तथा प्राकृतिक संसाधनों के सदुपयोग का ज्ञान कराना।
3- छात्रों की मानसिक शक्तियों का ज्ञान कराना।
4- छात्रों को जीविकोपार्जन के योग्य बनाना।
5- भौगोलिक परिस्थितियों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का ज्ञान कराना।
6- छात्रों में स्वदेश प्रेम तथा विश्व-बन्धुत्व की भावना का विकास करना।

विशिष्ट उद्देश्य :—

1- छात्र वायुमण्डल के बारे में जान सकेंगे
2- छात्र वायुमण्डल के संघटन के बारे में प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।
3- छात्र वायुमण्डल के बारे में जानकारी प्राप्त कर इस सम्बन्ध में व्याख्या कर सकेंगे।
4- छात्र वायुमण्डल के संघटकों को वर्गीकरण कर सकेंगे।
5- छात्रों में वायुमण्डल के प्रति विधेयात्मक अभिवृत्ति

Teacher's Signature : ....

SMT SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

विकसित हो सकेगी।

सहायक सामग्री :— वायुमण्डल के संघटन का चार्ट, श्यामपट्ट सारांश दिखाता हुआ लपेट श्यामपट्ट।

छात्रों का पूर्वज्ञान :— छात्र वायुमण्डल के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना :—

क्र०सं०	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र / छात्राएं क्रिया
1-	सौरमण्डल में कितने ग्रह हैं?	उ०- सौरमण्डल में 8 ग्रह हैं।
2-	किस ग्रह पर जीवन है?	उ०- पृथ्वी ग्रह पर जीवन है।
3-	पृथ्वी पर जीवन के क्या कारण हैं?	उ०- वायु, जल तथा सूर्य-ताप पृथ्वी पर जीवन के कारण हैं।
4-	पृथ्वी पर पाये जाने वाले गैसीय आवरण को हम क्या कहते हैं?	उ० वायुमण्डल कहते हैं।
5-	वायुमण्डल के बारे में आप क्या जानते हैं?	उ० समस्यात्मक

उद्देश्य :— बच्चो! आज हम जानेंगे वायुमण्डल के बारे में।

प्रस्तुतीकरण :—

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र / छात्राएं क्रिया	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
	विकासात्मक प्रश्न-			
	प्र०-1 पृथ्वी के चारों ओर किसका आवरण है?	उ०- पृथ्वी के चारों ओर वायु का आवरण है।	प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र०-2 वायुमण्डल पृथ्वी पर किस कारण जुड़ा है?	उ० समस्यात्मक		

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

दिनांक – 18/03/21 कक्षा – 9 प्रकरण – वायुमण्डल

वायुमण्डल – वायु का वह आवरण जो पृथ्वी को चारों ओर से घेरे हुए है, वायुमण्डल कहलाता है। पृथ्वी की आकर्षण शक्ति के कारण यह पृथ्वी के साथ टिका हुआ है।

वायुमण्डल में गैसों का % :— गैस

- नाइट्रोजन N (78.09%)
- ऑक्सीजन (20.95%)
- आर्गन (0.93%)

गृहकार्य :— कराया गया कार्य याद करेंगे।

26/08/2021.

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र/छात्रा क्रिया	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
1- वायुमण्डल-	वायु का वह आवरण जो पृथ्वी को चारों ओर से घेरे हुए है। वायुमण्डल कहलाता है। पृथ्वी की आकर्षण शक्ति के कारण यह पृथ्वी के साथ टिका हुआ है। पर्यावरण के प्रमुख कारकों में वायुमण्डल सबसे अधिक गतिशील है। वायुमण्डल सबसे अधिक गतिशील होते है। वायुमण्डल के सम्पूर्ण द्रव्यमान का 99% भाग भू-पृष्ठ से 32 हजार किमी तक की ऊँचाई पर पाया जाता है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	व्याख्या विधि	वायुमण्डल वायु का वह आवरण जो पृथ्वी को चारों ओर से घेरे हुए है वायुमण्डल कहलाता है। पृथ्वी का आकर्षण शक्ति के कारण यह पृथ्वी के साथ टिका हुआ है।

बोधात्मक प्रश्न:—

	प्र०1- वायुमण्डल किसे कहते है?	उ०- वायु का वह आवरण जो पृथ्वी को चारों ओर घेरे हुए है।	प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र०2 वायुमण्डल पृथ्वी पर किस कारण टिका हुआ है?	उ०- वायुमण्डल पृथ्वी पर गुरुत्वाकर्षण शक्ति के कारण टिका हुआ।		
	प्र०3 किसके प्रमुख कारकों में वायुमण्डल सबसे अधिक गतिशील है?	उ०- पर्यावरण के प्रमुख कारकों में वायुमण्डल सबसे अधिक गतिशील है।		

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Expt. No. .... Date ....

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र/छात्राएं क्रिया	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
	विकासात्मक प्रश्न -			
	प्र० - हम सांस लेने में कौन सी गैस का प्रयोग करते है?	उ० - हम सांस लेने में O_2 गैस का प्रयोग करते है	प्रश्नोत्तर विधि	वायुमण्डल में गैसों का % भाग
	प्र० २ वायुमण्डल में गैसे किस-किस मात्रा में पाई जाती है?	उ० - समस्यात्मक		1 - N - 78.09% 2 - O (20.95%) 3 आर्गन (0.93%)
२ - वायुमण्डल का संगठन -	**छात्राध्यापिका प्रश्न -** हमारा वायुमण्डल विभिन्न प्रकार की गैसों से मिलकर बना है। शुद्ध और शुष्क वायु के रूप में N (78.09%) O (20.95%) और आर्गन (0.93%) होती है। अन्य गैसें जैसे कार्बन (CO_2), H, He, ओजोन भी वायुमण्डल में विद्यमान रहती है। वायुमण्डल की निचली परतों में जलवाष्प एवं धूलकण अधिक पाये जाते है	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	व्याख्या विधि	महासागरों, झीलों एवं जलाशयों के जल के वाष्पीकरण से वायुमण्डल में जलवाष्प आती रहती है।
	बोधात्मक प्रश्न -		प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र० १ वायुमण्डल किससे मिलकर बना है?	उ० - विभिन्न प्रकार की गैसों से।		
	प्र० २ - वायुमण्डल में कौन-कौन सी गैस विद्यमान है?	N, O, आर्गन, CO_2, O, H, He ओजोन गैसे है।		

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रा / छात्राएँ क्रिया	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
	प्र०3- वायुमण्डल में N किस मात्रा में है?	उ०- वायुमण्डल में N 78.09% मात्रा में है।		
	प्र०4- वायुमण्डल में O किस मात्रा में है?	उ०- वायुमण्डल में O-20.95% मात्रा में है।		

श्यामपट्ट कार्य सारांश :- सभी छात्र श्यामपट्ट पर लिखे गये बोध प्रश्नों के उत्तरों को अपने पुस्तिका में उतार लें।

निरीक्षण कार्य :-

छात्राध्यापिका घूम-घूमकर पूरी कक्षा में निरीक्षण करेंगी।

मूल्यांकन प्रश्न :-

1- वायुमण्डल भू-पृष्ठ से कितनी ऊँचाई तक पाया जाता है?
2- वायुमण्डल की निचली परत में क्या पाया जाता है?
3- वायुमण्डल में जलवाष्प कहाँ से आती है?
4- वायुमण्डल की निचली सतह पर गैसें किस प्रकार की पाई जाती हैं?

गृहकार्य :-

1- छात्र वायुमण्डल के संघटक का चित्र अपनी अभ्यास-पुस्तिका में बनाकर लायेंगे।
2- कराया गया कार्य याद करेंगे।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

पाठयोजना -10

विद्यालय का नाम:— उच्च प्राथमिक विद्यालय बेवाना अकबर पुर अम्बेडकर नगर

छात्राध्यापिका का नाम :— शिखा उपाध्याय

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	कालांश	अवधि
20/03/21	8	सा०विज्ञान	भूगोल	द्वितीय	35 मिनट

प्रकरण :— पर्यावरण

सामान्य उद्देश्य :—

1- छात्रों को भौगोलिक ज्ञान कराना
2- छात्रों में प्रकृति के प्रति प्रेम उत्पन्न कराना तथा प्राकृतिक संसाधनों के सदुपयोग का ज्ञान कराना।
3- छात्रों को मानसिक शक्तियों का ज्ञान कराना।
4- छात्रों को जीविकोपार्जन के योग्य बनाना।
5- भौगोलिक परिस्थितियों का मानव पर पड़ने वाले प्रभाव का ज्ञान कराना।
6- छात्रों में स्वदेश प्रेम तथा विश्व-बन्धुत्व की भावना का विकास करना।

विशिष्ट उद्देश्य:—

1- छात्र पर्यावरण के बारे में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2- छात्र पर्यावरण का प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।
3- छात्र पर्यावरण के बारे में जानकारी प्राप्त कर इस सन्दर्भ में व्याख्या कर सकेंगे।
4- छात्र पर्यावरण के कारकों का वर्गीकरण कर सकेंगे।
5- छात्र पर्यावरण के कारकों को अपनी अभ्यास-पुस्तिका पर चित्रांकन कर सकेंगे।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....

सहायक सामग्री :— पर्यावरण को दर्शाता हुआ चार्ट, श्यामपट्ट सारांश दर्शाता हुआ लपेट श्यामपट्ट ।

छात्रों का पूर्व ज्ञान :— छात्र पर्यावरण के बारे में जानकारी रखते होंगे ।

प्रस्तावना :—

क्रम सं०	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र / छात्राएँ क्रिया
प्र०-1	सौरमण्डल में कुल कितने ग्रह हैं ?	उ०- सौरमण्डल में कुल आठ ग्रह हैं ।
	2- किस ग्रह पर जीवन पाया जाता है ?	उ०- पृथ्वी ग्रह पर जीवन पाया जाता है ।
	3- पृथ्वी पर क्या-क्या पाया जाता है ?	उ०- पृथ्वी पर जल, भूमि, पहाड़, नदियाँ एवं प्रकाश आदि ।
	4- पृथ्वी पर चारों तरफ पाए जाने वाले भौतिक को क्या कहते हैं ?	उ०- पर्यावरण कहते हैं ।
	5- पर्यावरण से आपका क्या अभिप्राय है ?	उ०- समस्यात्मक

उद्देश्य कथन :— बच्चों आज हम पर्यावरण के बारे में अध्ययन करेंगे ।

प्रस्तुतीकरण :—

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र - छात्राएँ क्रिया	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
	विकासात्मक प्रश्न—			
	प्र०-1 हमारे चारों ओर घिरे हुए आवरण को क्या कहते हैं ?	उ०- हमारे चारों तरफ घिरे हुए आवरण को पर्यावरण कहते हैं ।	प्रश्नोत्तर विधि	

Teacher's Signature : ....

कक्षा – 7 प्रकरण – पर्यावरण

दिनांक :– 20/03/21

मुख्य बिन्दु :– पृथ्वी सौरमंडल का एक अनोखा ग्रह मानी जाती है।

• सौरमण्डल में पृथ्वी एक मात्र ऐसा ग्रह है जिस पर पानी है।

• पर्यावरण दो शब्दों से मिलकर बना है – परि + आवरण – परि + आवरण = पर्यावरण होता है।

पर्यावरण को प्रभावित करने वाले कारक – प्राकृतिक कारक

2 – मानवीय कारण।

गृहकार्य :– कराए गए सभी प्रश्नों के उत्तर याद करके आयें।

26/08/2021.

Expt. No. .... Date ....

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र-छात्राएं क्रिया	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
	2- पर्यावरण का शाब्दिक अर्थ क्या है?	उ०- समस्यात्मक		
1-पर्यावरण का अर्थ-	**छात्राध्यापिका कथन-** हमारी पृथ्वी सौरमण्डल का एक अनोखा ग्रह मानी जाती है क्योंकि सौरमण्डल में पृथ्वी एक मात्र ऐसा ग्रह है जहां पर जीवन पाया जाता है। पृथ्वी पर ऐसा पर्यावरण पाया जाता है जो अनेक प्रकार के जीव-जन्तुओं पेड़-पौधों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पर्यावरण शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है (परि + आवरण) परि का अर्थ होता है चारों ओर से तथा आवरण का अर्थ होता है ढका हुआ या घिरा हुआ।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे।	व्याख्या विधि	पृथ्वी सौरमण्डल का एक अनोखा ग्रह मानी जाती है। सौरमण्डल में पृथ्वी एक मात्र ऐसा ग्रह है जिस पर पानी है। पर्यावरण दो शब्दों से मिलकर बना है- परि + आवरण = पर्यावरण।
	बोधात्मक प्रश्न-			
	प्र०-1 पर्यावरण कितने शब्दों से मिलकर बना है?	उ०- दो शब्दों से मिलकर बना है।	प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र०-2- परि का अर्थ क्या होता है?	उ०- चारों ओर से		
	प्र०-3 आवरण का अर्थ क्या होता है?	उ०- आवरण का अर्थ होता है ढका हुआ या घिरा हुआ।		

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र / छात्राएँ क्रिया	शिक्षण विधि	श्यामपट्ट कार्य
	विकासात्मक प्रश्न-			
	1- जीव-जन्तुओं, पेड़ पौधों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका कौन निभाता है?	उ०- जीव जन्तुओं पेड़ पौधों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका पर्यावरण निभाता/कसम स्वात्मक।	प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र०2- पर्यावरण को प्रभावित करने वाले कारण कौन-कौन से हैं?			
पर्यावरण के प्रभावित करने वाले कारक-	**छात्राध्यापिका कथन-** पर्यावरण के विभिन्न अंगों को पर्यावरण के कारण कहा जाता है पर्यावरण के सभी अंग एक-दूसरे के पूरक होते हैं। पर्यावरण को प्रभावित करने वाले दो कारक हैं। 1- प्राकृतिक कारक 2- मानव निर्मित कारक	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	व्याख्या विधि	पर्यावरण को प्रभावित करने वाले कारक- दो प्रकार के होते हैं। 1- प्राकृतिक कारक 2- मानव निर्मित कारक
	बोधात्मक प्रश्न-			
	प्र०- पर्यावरण को प्रभावित करने वाले कारक कौन-कौन से हैं?	उ० - पर्यावरण को प्रभावित करने वाले कारक मानवकृत कारक और प्राकृतिक कारक हैं।	प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र०-2 प्रकृति से सम्बन्धित कारकों को किस श्रेणी में रखा गया है?	उ० - प्रकृति से सम्बन्धित कारकों को प्रा० कारण की श्रेणी में रखा जाता है।		

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....

Page No. 79

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र / छात्राएँ क्रियाएँ	शिक्षण बिन्दु	श्यामपट्ट कार्य
	प्र०-3 प्रा० कारक के दो उदाहरण बताइए।	उ०- प्राकृतिक कारक में दो उदाहरण हैं- भौगोलिक स्थिति	प्रश्नोत्तर विधि	
	प्र०-4 मानव निर्मित कारक के दो उदाहरण बताइए।	उ०- मानव निर्मित कारक के उदाहरण हैं — विद्युत परिवहन साधन।		

श्यामपट्ट सारांश :— सभी छात्र श्यामपट्ट पर लिखे गये बोध प्रश्नों के उत्तरों को अपने अभ्यास-पुस्तिका में उतारेंगे।

निरीक्षण कार्य :— छात्राध्यापिका घूम-घूमकर पूरी कक्षा का निरीक्षण करेगी।

मूल्यांकन प्रश्न :—

1- पर्यावरण कितने शब्दों से मिलकर बना है?

2- परि + आवरण का अर्थ क्या होता है?

3- पर्यावरण किसे कहते हैं?

4- पर्यावरण को प्रभावित करने वाले कारक कौन-कौन से हैं?

गृहकार्य :—

1- कराये गए सभी प्रश्नों के उत्तर याद करके आयें।

2- पर्यावरण का अर्थ अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखकर लायें।

26/08/2021

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management